



ऋग्वेद मण्डल-2

ऋग्वेद मन्त्र 2.23.1
Rigveda 2.23.1

गणानां तवा गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ न शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ॥

(गणानाम्) लोगों के बीच (त्वा) आपको (गणपतिम्) लोगों का स्वामी, संरक्षक (हवामहे) हम बुलाते हैं, स्वीकार करते हैं, अनुभूति करते हैं, आपके प्रति समर्पित हैं (कविम्) दिव्य कवि, दिव्य द्रष्टा, सर्वज्ञाता (कवीनाम्) कवियों में, द्रष्टाओं में, विद्वानों में (उपम श्रवस्तमम्) तुलना के योग्य महिमाएँ (ज्येष्ठराजम्) सबसे महान, सबसे उत्तम राजा (ब्रह्मणाम्) विद्वानों में (ब्रह्मणस्पते) सभी ब्राह्मणों और ब्रह्मज्ञान अर्थात् परमात्मा के ज्ञान का संरक्षक, स्वामी (आ – सीद से पूर्व लगाकर) (नः) हमारे (शृण्वन्) सुनते हुए (नूतिभिः) हमारे संरक्षण के लिए (सीद – आ सीद) बैठो, स्थापित हो जाओ (सादनम्) हमारे हृदय स्थान पर।

व्याख्या :-

हमारा संरक्षण करने में कौन सक्षम है?

इस मन्त्र के देवता 'बृहस्पति' हैं।

हम सभी लोगों के बीच लोगों के संरक्षक और स्वामी, आपको बुलाते हैं, स्वीकार करते हैं, अनुभूति करते हैं और आपके प्रति समर्पित हैं। आप कवियों में, द्रष्टाओं में और विद्वानों में दिव्य कवि हो, दिव्य द्रष्टा हो और सर्वज्ञाता हो। आपकी महिमाएँ तुलना के योग्य हैं। आप सबसे महान् और सबसे उत्तम राजा हो। आप सभी ब्राह्मणों और ब्रह्मज्ञान अर्थात् परमात्मा के बारे में ज्ञान के संरक्षक और स्वामी हो। हमें सुनते हुए कृपया हमारे संरक्षण के लिए हमारे हृदय स्थान पर आकर बैठो और स्थापित हो जाओ।

जीवन में सार्थकता :-

परमात्मा का संरक्षण किस प्रकार प्राप्त करें?

परमात्मा की संरक्षण शक्तियों का आह्वान करने के लिए सबसे सर्वोत्तम यही है कि उसे पूर्ण प्रेम, श्रद्धा-भक्ति और समर्पण के साथ अपने हृदय में स्थापित करो। एक बार जब हम उस सबसे महान् और सबसे बड़े संरक्षक को आह्वान करते हैं तो निश्चित रूप से हम हर प्रकार के पतन से बच जायेंगे।

सूक्ति :-

(गणानाम् त्वा गणपतिम् हवामहे। ऋ. 2.23.1) हम सभी लोगों के बीच, लोगों के संरक्षक और स्वामी, आपको बुलाते हैं, स्वीकार करते हैं, अनुभूति करते हैं और आपके प्रति समर्पित हैं।

HOLY VEDAS STUDY AND RESEARCH PROGRAM
Download Vedic Pedia app from play store or join on Telegram app.
For any query feel free to contact on thevedicpedia@gmail.com or whatsapp 0091-9968357171



This file is incomplete/under construction